

# Inhaltsverzeichnis

|                                                         |    |
|---------------------------------------------------------|----|
| <b>1 Das kurze Leben des Johannes Hansen</b>            | 7  |
| <b>2 Motive der Romantik in Hansens Gedichten</b>       | 37 |
| 2.1 Die Epoche der Romantik                             | 37 |
| 2.2 Romantische Motive                                  | 38 |
| 2.2.1 Natur, Sehnsucht und Unendlichkeit                | 39 |
| 2.2.2 Mittelalterkult                                   | 43 |
| 2.2.3 Nation und Patriotismus                           | 44 |
| 2.3 Fazit                                               | 52 |
| <b>3 <i>Freshe Daghte</i> (Hansens Gedichtsammlung)</b> | 53 |
| 3.1 Vorbemerkung                                        | 53 |
| 3.2 Transkript der Handschrift                          | 58 |
| <i>Wors Led</i>                                         | 58 |
| <i>Rungholt</i>                                         | 60 |
| I                                                       | 60 |
| II                                                      | 60 |
| III                                                     | 62 |
| IV                                                      | 64 |
| V                                                       | 66 |
| <i>Distichen</i> [1-2]                                  | 68 |
| <i>Harwst-En</i>                                        | 68 |
| <i>Wer es Rau?</i>                                      | 70 |
| <i>Sin Söster es dud</i>                                | 74 |
| [Sentenz]                                               | 76 |
| <i>Distichen</i> [3-4]                                  | 76 |
| <i>Könning Abel</i>                                     | 76 |
| <i>Inne</i>                                             | 78 |
| <i>Mad de Buming</i>                                    | 80 |
| <i>Freshlon</i>                                         | 82 |
| <i>En Gung auer di Sierrword</i>                        | 82 |
| <i>Distichen</i> [5-9]                                  | 84 |
| <i>Wenn di Stoark shaʃt</i>                             | 84 |
| <i>Nationalsung</i>                                     | 86 |
| <i>Jü Slagt bei Hemmingstâ</i>                          | 88 |
| <i>Distichen</i> [10-11]                                | 92 |

|                                                               |     |
|---------------------------------------------------------------|-----|
| <i>Am Enem</i>                                                | 92  |
| [Spall]                                                       | 94  |
| <i>Min Fômen</i>                                              | 96  |
| <i>On Luisenlûnn bei Slesswikk</i>                            | 96  |
| <i>Di Ikenbum</i>                                             | 98  |
| <i>Wenningsung</i>                                            | 102 |
| <i>Distichon [12]</i>                                         | 104 |
| <i>Tiütshlons wene Jungens</i>                                | 104 |
| <i>Ofshis</i>                                                 | 106 |
| 12 Dec 1875                                                   | 108 |
| <i>Ontanken</i>                                               | 110 |
| <i>Lêwi di Winn</i>                                           | 112 |
| <b>4 Ein Brief Hansens an Hermann Möller</b>                  | 118 |
| <b>5 Ueber die nordfriesische Sprache (Hansens Aufsatz)</b>   | 125 |
| 5.1 Vorbemerkung                                              | 125 |
| 5.2 Transkript des Aufsatzes                                  | 125 |
| <b>Literaturverzeichnis</b>                                   | 139 |
| <b>Anhang</b>                                                 |     |
| I: <i>Frühlingsgruß an das Vaterland</i> (Schenkendorf)       | 149 |
| II: <i>Preußens blaue Jungen</i> (Brömel)                     | 152 |
| III: <i>Ik weet eenen Eekboom</i> (Reuter)                    | 154 |
| IV: <i>Wenn de Lurk treckt</i> (Groth)                        | 156 |
| V: <i>Avendfreden</i> (Groth)                                 | 157 |
| VI: <i>Ol Büsum</i> (Groth)                                   | 158 |
| VII: <i>De Slacht bi Hemmingstêd (17. Febr. 1500)</i> (Groth) | 159 |